Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 27th Oct 2018 S2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-10-27 19:08:33
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	9089883
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	9089883
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 9089883
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 9089883 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number : 2
Group Id : 9089884
Group Maximum Duration : 15
Group Minimum Duration : 15
Revisit allowed for view? : No
Revisit allowed for edit? : No
Break time: 0
Group Marks: 0

Hindi Typing Test

Section Id : 9089884
Section Number : 1
Section type : Typing Test
Mandatory or Optional: Mandatory
Number of Questions: 1
Number of Questions to be attempted: 1
Section Marks: 0
Display Number Panel: Yes
Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 9089884
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 9089884 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

भगवान ने हम सभी इंसानों को कोई ना कोई विशेष गुण देकर बनाया है लेकिन मानव सदैव अपनी तुलना दूसरों से करने लगता हैं। ऐ॰स करने से हमारे खुश होते हुए भी अकारण मन में दुख की भावना आ जाती हैं। यही वो हमारी सोच है जो हमें गलत भावना की तरफ ले जाती हैं। हम जो है जैसे भी हैं वस उसमें खुश रहना चाहिए। तो चलिए इसी सोच पर आधारित आज हम आप सबको एक कहानी बताते हैं। एक कौवा जंगल में रहता था और अपने जीवन से पुरी तरह खुश था। लेकिन एक दिन उसने एक हंस देखा और फिर सोचने लगा कि यह हंस इतना सफेद है और मैं बहुत काला। इसलिए यह हंस दुनिया में सबसे खुश पक्षी होगा। फिर कौवे ने हंस से मिलकर अपने मन की बात बतायी तब हंस ने जबाव दिया कि मुझे तो तोता सबसे खुश पक्षी लगता है चुंकि तोते में दो रंग होते हैं। यह सुनकर कौवा तोते से मिलने गया और उसे सब बताया। इस बात पर तोता ने समझाया कि जब तक मैने एक मोर नहीं देखा था तब तक मैं बहुत खुश जीवन जीता था और मेरे पास तो केवल दो रंग है लेकिन मोर के पास तो कई रंग हैं। फिर तोते की बात को मानते हुए कौवो मोर से मिलने पशु वाटिका चला गया और वहां देखा कि लोग मोर की बस एक झलक पाने को बेकरार हैं। सबके जाने के बाद कौवा ने मोर से बात की और कहा कि आप तो बहुत सुंदर हो। हर दिन हजारों लोग आपको देखने के लिए आते हैं जबकि मुझे तो लोग मारकर दुर भगा देते हैं। मुझे लगता है कि आप ही इस धरती पर सबसे सुखी पक्षी हो। कौवे की यह बात सुनकर मोर ने जबाव दिया कि मैने हमेशा सोचा था कि मैं इस धरती पर सबसे सुंदर और सुखी पक्षी था। लेकिन मेरी सुंदरता के कारण मैं इस पशु वाटिका में फंस गया। मैंने इस जगह की बहुत सावधानी से जांच की हैं और मुझे अहसास हुआ है कि कौवा एकमात्र पक्षी हैं जो पिंजरे में नहीं रखा जाता हैं। तो पिछले कुछ दिनों से मैं यहीं सोच रहा था कि अगर मैं कौवा होता तो मैं अपनी खुशी से हर जगह घुम सकता था। इसलिए मुझे लगता है कि इस धरती पर तुम मुझसे कहीं अधिक सुखी हो। मोर का बात को सुनकर कौवे को अपनी बात का जवाब मिल गया था कि हम जो भी जैसे भी होते हैं अच्छे ही होते हैं। बस दूसरों को देखकर लगता है कि वह सबसे अधिक खुश है पर ऐसा कुछ भी नहीं होता हैं। इसके बाद कौवा खुशी खुशी जंगल की तरफ चला गया। कौवा और मोर की तरह हम इंसान भी अपनी तुलना दूसरों के साथ करके दुखी हो जाते हैं।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes